



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

20/5

No. 87] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 12, 1973/फाल्गुन 21, 1894

No. 87] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 12, 1973/PHALGUNA 21, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न की जाती है जिसमें कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 12th March 1973

S.O. 137(E)/18A/IDRA/73.—Whereas the Central Government is of the opinion that M/s. Hindustan Tractors Limited, Vishwamitri, Baroda, an industrial undertaking in respect of which an investigation has been made under section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951) is being managed in a manner highly detrimental to the scheduled industry concerned, namely tractors;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18A of the said Act, the Central Government hereby authorises the Gujarat Agro-Industries Corporation Limited, Ahmedabad (hereinafter referred to as Authorised Controller) to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, namely, M/s. Hindustan Tractors Limited, Vishwamitri, Baroda, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) The Authorised Controller shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) The Authorised Controller shall hold office for five years from the date of publication in the Official Gazette of this order;
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the Authorised Controller earlier if it considers necessary to do so.

2 This order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F. 4/1/73-CUC]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

ओद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1973

का० फा० 137 (अ) / 18क/प्राई० दो० आर० ८०/73-पन: केन्द्रीय सरकार की राय है कि मंपर्स फिन्डुस्तान ट्रैक्टर्स लिमिटेड विश्वामित्र बड़ोदा ओद्योगिक उपकरण का जिसकी बाबत उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के अधीन अन्वेषण किया जा चुका है प्रबन्ध इस रीति से किया जा रहा है जो सम्बद्ध अनुसूचित उद्योग अर्थात् ट्रैक्टर्स के लिये अन्यन्त हानिकार है।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 18क का उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रबन्ध गवितया का प्रयोग करने तूये केन्द्रीय सरकार गुजरात एवं इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लिमिटेड अहमदाबाद को (जिसे इसके प्राधिकृत नियंत्रक कहा गया है) उक्त आद्योगिक उपकरण अर्थात् मैसर्स फिन्डुस्तान ट्रैक्टर्स लिमिटेड विश्वामित्र बड़ोदा का पूर्ण प्रबन्ध निम्नविवित नियंत्रणी और शर्तों के अधीन ग्रहण करने के लिये एतद्वारा प्राधिकृत करतो है अर्थात् —

- (i) प्राधिकृत नियंत्रक केन्द्रीय सरकार द्वारा ममय-ममय पर निकाले गये सभी निवेशों का पालन करेगा;
- (ii) प्राधिकृत नियंत्रक इस आदेश के राजनीति प्रकाशन की नारीख में पांच वर्ज के लिये पदासीन रहेगा;
- (iii) केन्द्रीय सरकार यदि वह ऐसा करना आवश्यक ममले तो प्राधिकृत नियंत्रक की नियुक्ति, पहले भी ममाल कर सकेगी।

इ. यह आदेश गजपत मे प्रकाशन की नारीख में पांच वर्ज को अवधि के लिये प्रभाशी होगा।

[मं० फा० 1/1/73-मी० य० मी०]

द्वा० के० सकंपता, मंप्रकृत मध्यि।